

Education
is the key
to a brighter
future ♥



KVS

केंद्रीय विद्यालय संगठन



ज्ञान



संस्कार



सृजन



समर्पण

केंद्रीय विद्यालय मण्डी

KENDRIYA VIDYALAYA MANDI

(Kendriya Vidyalaya Sangathan Under Ministry of Education, Govt. Of India)

विद्यालय पत्रिका

शैक्षणिक सत्र 2026 - 2027

Good
Thoughts
Create
Great
Actions ♥

Learn

Grow

Achieve

Together ♥

Education

Values

Culture

Innovation

Future

Small
Steps...
♥

Big
Dreams...
♥

शिक्षा से संस्कार

संस्कार से संवेदना

संवेदना से समाज

समाज से राष्ट्र

OUR MENTORS



SHRI VIKAS GUPTA, IAS, COMMISSIONER



SHRI CHANDER SHEKHAR AZAD
DEPUTY COMMISSIONER



SHRI ANIL KUMAR
ASSISTANT COMMISSIONER



SHRI SURESH KUMAR
IN-CHARGE PRINCIPAL

Message From the Principal



प्राचार्य की कलम से

मेरे लिए ये अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका वर्ष भर में किये गए उत्कृष्ट कार्यों का वह दस्तावेज होता है जो नए सृजनात्मक एवं नए आयाम को धरातल पर उतारता है। इसमें वर्ष भर शिक्षण के साथ-साथ खेलकूद, स्काउट और गाइड, संगीत, भ्रमण तथा विभिन्न कौशलों के विकास हेतु आयोजित गतिविधियों की झलकियाँ सम्मिलित रहती है। बच्चे हमारा भविष्य व आने वाला कल होते हैं। इनके कोमल मन कल्पनाओं के अथाह सागर से भरे होते हैं। इन नन्हे मुन्हे बच्चों के अनगिनत सवाल, जवाब पाने के लिए हमेशा कल्पना लोक से धरातल पर उतरने का प्रयास करते हैं। विद्यालय पत्रिका के इस अंक में इन्हीं नन्हे मुन्हों में से उभरते हुए प्रतिभावक कवियों, लेखकों एवं विचारों ने अपने अमूर्त मन की अभिव्यक्तियों को पत्रिका के माध्यम से धरातल की बखूबी कोशिश की है।

मैं विद्यालय पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संपादकीय मंडल, जिनके अथक प्रयास का यह परिणाम है, को आंतरिक हृदय से बधाई देता हूँ। मैं उन सभी नव-सृजन की दुनिया में कदम रखने वाले लेखकों, कवियों, चिंतकों को भी आंतरिक हृदय की गहराइयों से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे होनहार विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्ति एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण होकर सभ्य एवं सुसंस्कृत नागरिक बनेंगे। हमारे विद्यार्थी अवश्य ही कौशलों से परिपूर्ण होकर समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएंगे।

सुरेश कुमार

प्राचार्य

EDITORIAL BOARD

-: EDITOR-IN-CHIEF :-

MR DEVI SINGH RANA, PGT-ENGLISH

-: EDITORIAL TEAM :-

MR ASHOK KUMAR KHADIYA, TGT-SANSKRIT

MRS VANITA THAKUR, TGT-HINDI

MRS DIVINDER KAUR SHARMA, PRT

MS RITIKA, TGT-ENGLISH

-: SPECIAL THANKS TO :-

MR NARESH RANA, PGT-CS

MS KRITIKA, COMPUTER INST.

AND OTHER STAFF MEMBERS

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

केन्द्रीय विद्यालय मण्डी

हिन्दी विभाग

HINDI SECTION

"भाषा विचारों की जननी है, साहित्य संस्कृति का दर्पण है।"
विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कलम से सजी मौलिक रचनाएँ,
कविताएँ एवं चिंतन।



संपादकीय

विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुझान पैदा करने के लिए उन्हें स्वयं कुछ करने के लिए प्रेरित करना है। जो उनके दैनिक पाठ्यक्रम से थोड़ा हटकर हो। आज का विद्यार्थी लीक पर न चलकर कुछ नया और कुछ अलग करना चाहता है। इसका संपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं हमारे प्राचार्य और उनके द्वारा पाठशाला में करवाई जाने वाली गतिविधियाँ। इनका ही एक अंग है हमारी वार्षिक पत्रिका। साहित्य ही वह साधन है जहाँ हम रोज सर्जन करते हैं और अपने विचारों तथा अपनी अभिव्यक्ति को अपने अनुरूप ढालते हैं। पत्रिका के संपादक होने के नाते मुझे विद्यार्थियों का यह प्रयास अपने आप में सराहनीय लगता है जहाँ कलम और तुलिका का मिश्रण विचारों और कल्पना की पराकाष्ठा को छूता है और निर्माण करता है एक नई पुस्तिका का। यह पत्रिका हमारी सोच और गतिविधियों को जनसाधारण तक पहुंचने में सक्षम है और एक माध्यम भी है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपका योगदान इसमें रहेगा। आप इसे पढ़ेंगे और विद्यार्थियों की इस प्रतिभा को सराहेंगे भी।

अशोक कुमार खाडिया
टी जी टी संस्कृत

तत् त्व पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

मंथन मन का

चलो आज खुद से मुलाकात हो जाए,
साझा खुद से खुद के ख्यालात हो जाए,
वक्त के साथ जो बदले हैं मिजाज़ अपने,
आज उन्ही पर कुछ सवालात हो जाए,,,,,

क्यूँ ना पूछें उस आईने से,

जो हर चेहरा दिखाता है,

दिखा कर सुंदरता बाहरी तन की,
क्यूँ मन की कालिख छिपाता है ???

चलो पूछते हैं अपने मन से,

क्यूँ पीर पराई पे हँसता है ??

पहले देखता अपना पराया,

क्यूँ झट से रंग बदलता है ???

चलो पूछते हैं जन-मानस से,

जो खुद को रक्षक कहते हैं,

क्यूँ बहन-बेटी की लुटती लज्जा,

मौन से होकर सहते हैं ???

चलो पूछते हैं अपने रब से,

क्या तू रग - रग में रहता है ??

फिर कहाँ गई वो नब्ज हमारी,

जिसमे लहू इंसानी बहता है ???

अक्सर ऐसे सवालों को मैं,

खुद से पूछा करता हूँ,

नहीं कभी भी मिलते उत्तर,

बस खाली स्थान ही भरता हूँ,,,,,

गर मिलकर मनन करें हम इतपर,

तो हल सारे सवालात हो जाए,

अमन ,शान्ति चहुँ ओर हो,

रूबरू तुझसे कायनात हो जाए,,,,,

चलो आज खुद से मुलाकात हो जाए,

साझा खुद से खुद के ख्यालात हो जाए!!!

द्वारा रचित:



ऋषि पाल मधुबाँसी

वेद वेद वेद त्व पूषन् अपावृणु
विद्यालय संगठन

जो परिवर्तन की चाह न रखता

जो परिवर्तन की चाह न रखता,

जीना उसका बेकार है।

कोई भूखे मर रहा,

जो हँसे उस पर शैतान है।

जो सिर्फ अपनी ही सोचे,

रहना उससे सावधान है।

वो न अपने बाप का होता,

औरों का कहना बेकार है।

जो अन्याय देख कर चुप रहता,

सिर्फ मतलब का वो यार है।

आज ऐसे लोगों के ही कारण,

मानव का हो रहा बुरा हाल है।

जो बोए औरों का कांटा,

वो इंसान नहीं हैवान है।

औरों को दुख से जो तडपे,

सच मानो वही इंसान है।

जो परिवर्तन की चाह न रखता,

उसका जीना बेकार है।

धन्यवाद

- आयुषी कक्षा . 6

आगे बढ़ते जाना है

विषय: प्रेरणा और लक्ष्य

मुश्किलें आएँगी राहों में,

हमें न रुकना, न थकना है।

सूरज जैसी चमक लिए,

अंधियारे को हरना है।

ज्ञान का दीपक हाथ में लेकर,

नया सवेरा लाना है।

ऊँच-नीच का भेद मिटाकर,

सबको गले लगाना है।

पर्वत जैसी हिम्मत अपनी,

सागर सा गहरा मन हो।

सच्चाई की राह पर चलकर,

रोशन यह जीवन हो।

हम भारत के वीर सिपाही,

आगे बढ़ते जाना है।

अपने प्यारे विद्यालय का,

जग में नाम कमाना है।

आराध्या ठाकुर

कक्षा 7

मार्क्स से परे: एक सार्थक जीवन का पैमाना

क्या हो अगर सफलता को सिर्फ मार्क्स से न मापा जाए?

क्या हम तब भी सीखना चाहेंगे? क्या हम तब भी दूसरों की मदद करेंगे, सवाल पूछेंगे और बिना डरे सपने देखेंगे?

आज की दुनिया में, मार्क्स को अक्सर आखिरी मंज़िल माना जाता है। हालांकि वे ज़रूरी हैं, लेकिन वे एक बहुत बड़ी कहानी का सिर्फ एक हिस्सा हैं। शिक्षा का असली मकसद सिर्फ हमारे दिमाग को जानकारी से भरना नहीं है, बल्कि हमारी जिज्ञासा को जगाना, हमारे चरित्र को मज़बूत करना और हमें समझदारी और हिम्मत के साथ ज़िंदगी का सामना करने के लिए तैयार करना है।

क्लासरूम सिर्फ चार दीवारों से कहीं ज़्यादा है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ नए विचार जन्म लेते हैं, दोस्ती पनपती है और आत्मविश्वास बढ़ने लगता है। हर सबक हमें किताबों से हटकर कुछ सिखाता है। गणित तार्किक सोच विकसित करता है। विज्ञान हमें सवाल पूछने के लिए प्रेरित करता है। साहित्य हमें भावनाओं को समझने में मदद करता है। इतिहास हमें याद दिलाता है कि हर पीढ़ी में भविष्य को आकार देने की ताकत होती है।

ज़िंदगी हमेशा कमरे के सबसे होशियार इंसान को ही इनाम नहीं देती। अक्सर, यह उन्हें इनाम देती है जो तब भी ईमानदार रहते हैं जब कोई उन्हें देख नहीं रहा होता, जो तब भी काम करते रहते हैं जब सफलता दूर लगती है, और जो हर असफलता के बाद फिर से उठ खड़े होते हैं। चरित्र, मुश्किलों से उबरने की क्षमता और दयालुता ऐसे गुण हैं जिन्हें कोई भी परीक्षा पूरी तरह से नहीं माप सकती, फिर भी यही तय करते हैं कि हम असल में क्या बनते हैं।

छात्रों के तौर पर, हम आने वाले कल के निर्माता हैं। हम जो आविष्कार करते हैं, जो समस्याएँ सुलझाते हैं और जिन मूल्यों को अपनाते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए दुनिया को आकार देंगे। हर सोच-समझकर पूछा गया सवाल, दयालुता का हर काम और हर सच्ची कोशिश एक बेहतर समाज की नींव में एक और ईंट जोड़ती है।

इसलिए, आइए हम सिर्फ अच्छे रिपोर्ट कार्ड से कहीं ज़्यादा पाने का लक्ष्य रखें। आइए हम जीवन भर सीखते रहने वाले लोग, ज़िम्मेदार नागरिक और दयालु इंसान बनें। आइए हम विनम्रता के साथ ज्ञान हासिल करें, हिम्मत के साथ चुनौतियों का सामना करें और हर असफलता को आगे बढ़ने के मौके के तौर पर देखें।

एक दिन, हमारे मार्क्स शायद यादों से मिट जाएँ, लेकिन हमारे काम, हमारे मूल्य और जिन लोगों की ज़िंदगी को हमने छुआ है, वे हमेशा याद रहेंगे। आखिर में, शिक्षा यह साबित करने के बारे में नहीं है कि हम कितना जानते हैं, बल्कि यह इस बारे में है कि हम क्या बनने की हिम्मत रखते हैं।

सबसे बड़ी उपलब्धि सबसे ज़्यादा मार्क्स लाना नहीं है, बल्कि दुनिया को उससे ज़्यादा समझदार, दयालु और बेहतर बनाना है जैसी हमने इसे पाया था।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

मयंक खाड़िया

कक्षा: 11वीं

मैं फिर से उठूँगी

मैं गहरी और ठंडी परछाइयों से गुज़री, अपने सपनों को थामे हुए।
हर नाकामी, हर ज़ख्म ने मुझे याद दिलाया कि हम कितने मज़बूत
हैं।

जब रास्ता साफ़ न दिखे,
तो उम्मीद ही मेरे अंदर रोशनी बन जाती है।

मैं उठूँगी, मैं खड़ी होऊँगी,
अपने हाथों से अपना कल बनाऊँगी।

एक-एक कदम, दिन-ब-दिन,
कोई मेरे सपने मुझसे छीन नहीं सकता।
न कोई पहाड़ बहुत ऊँचा है,
न कोई तूफ़ान बहुत तेज़,
मैं हमेशा यकीन रखूँगी।
यह मेरा समय है, यह मेरा रास्ता है - मैं फिर से उठूँगी, मैं फिर से
उठूँगी।

हर सूरज उगने के साथ एक मौका मिलता है,
एक नया और बेहतर रास्ता बनाने का।
हिम्मत, भरोसे और कभी न खत्म होने वाले जोश के साथ,
मैं और ऊँचाई तक जाऊँगी।

दुनिया शायद मेरे दिल और दिमाग की परीक्षा ले,
लेकिन यह मेरी तरक्की को कभी रोक नहीं पाएगी।
मैं अपने डर को पीछे छोड़ दूँगी,
और अपना सबसे बेहतरीन रूप बनूँगी।
मैं उठूँगी, मैं खड़ी होऊँगी,

सपनों को अपनी योजनाओं में बदलूँगी। हर कदम के साथ मेरा
भविष्य और मज़बूत होता जाएगा, बहती हवा से भी ज़्यादा
मज़बूत।

खुशी और गम, दोनों में मैं अपना भरोसा बनाए रखूँगी, मैं कभी
हार नहीं मानूँगी। मैं कभी नहीं बदलूँगी।
यह मेरी आवाज़ है, यह मेरी आग है - मैं फिर से उठूँगी... फिर से...
फिर से।

वैष्वी वर्मा कक्षा - 6

कागज़ के पन्ने और ब्रह्मांड

जब खोलता हूँ गणित का पन्ना,
तारे-सितारे मुस्कुराते हैं, इतिहास के पुराने
पन्नों से, वीर साहसी मुझे बुलाते हैं।

कक्षा आठ का यह एक कमरा, केवल चार
दीवारों का नहीं, यहाँ बनता है नक्शा
मेरा, मेरी अनगिनत उधेड़बुन का वही।
सवालियों के कठिन चक्रव्यूह में, तर्क की ढाल
बनाऊंगा, ज्ञान की इस पावन धारा से,
नया कीर्तिमान बनाऊंगा।

गुरु की डांट में छिपी जो सीख है,

मित्रों के संग में जो विश्वास है, वही तो
मेरे हर एक कल का, सबसे अनोखा
अहसास है।

आसमाँ छोटा लगेगा एक दिन,

जब सपनों की पतंग लहराएगी,

मेहनत और लगन की यह डोरी, मंजिल तक
हमें ले जाएगी।

तनिक्ष शर्मा

कक्षा: 8वीं

दो सुमन समर्पित करता हूँ:-

दो सुमन समर्पित करता हूँ,
अपना मन अर्पित करता हूँ ,
माँ सरस्वती चरणों में तेरे,
यह जीवन अर्पित करता हूँ।

सब तेरी कृपा से ज्ञान-देवी,
मूर्ख भी ज्ञानी बनता है,
दया-दृष्टि पड़े जिस पर,
सब की हैरानी बनता है,
तेरी भक्ति के बीज मैया,
मैं खुद में विकसित करता हूँ,
दो सुमन समर्पित करता हूँ,
अपना मन अर्पित करता हूँ।

अब तक जिया हूँ मैया मैं,
जग की ठोकर खा-खाकर,
बिन ज्ञान, नहीं सम्मान मिला,
मैं देख चुका दर जा-जाकर,
अंत शरण में तेरी मैया,
मैं स्वयं को शरणित करता हूँ

दो सुमन समर्पित करता हूँ,
अपना मन अर्पित करता हूँ।

है ज्ञान- चक्षु अंबा मेरी,

मुझमें ज्ञान-दीप जला दो तुम,
अंधकार जितना मुझ में,
उसको दूर भगा दो तुम,

मन की बात बता तुझको,
मैं मन को हर्षित करता हूँ,
दो सुमन समर्पित करता हूँ,
अपना मन अर्पित करता हूँ।

माँ सरस्वती चरणों में तेरे,
यह जीवन अर्पित करता हूँ,
यह जीवन अर्पित करता हूँ।

अशोक कुमार खाड़िया
प्र . स्ना . शि . संस्कृत

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

क्लास मॉनिटर

जो क्लास में बने मॉनिटर कोरी शान दिखाते
हैं

आता जाता कुछ भी नहीं,
पर हम पर रोब जमाते हैं ,
जब क्लास में टीचर नहीं तो ,
खुद टीचर बन जाते हैं ,
काँपी पेंसिल लेकर बस ,
नाम लिखने लग जाते हैं ,
खुद तो हमेशा बातें करें ,
हमें चुप करवाते हैं ,
अपनी तो बस गलती माफ ,
हमें बलि चढ़ाते हैं

क्लास तो संभाल पाते नहीं,
बस चीखते चिल्लाते हैं

भगवान बचाए इस मॉनिटर से ,
इन्हें हम नहीं चाहते हैं

मेरे वतन में रहने वाले जन-जन का सम्मान
हो ,

हम भारतवासी यह चाहे कि मेरा देश महान
हो ,

सुनना चाहो सुनो ध्यान से एक संदेश
हमारा है ,

अच्छा बुरा जैसा भी है भारत देश हमारा
है ,

दिल हमारे एक हैं, एक ही है हमारी जान
,

हिंदुस्तान हमारा है और हम हैं इसकी शान
,

जान लुटा देंगे वतन पर हो जाएंगे कुर्बान,
इसलिए तो हम कहते हैं मेरा भारत महान

प्राची सिंह

कक्षा 8

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

2 मेरा भारत महान

बीच सड़क पर कोई खड़ी थी
नाम बताया हिंदी ।
बोली मैं अपनों की त्यागी
मुझसा नहीं कोई अभागी ।

मेरी जननी ने ही मुझको आज दिया दुत्कार ।
अंग्रेजी को गोद ले लिया करती उसका लाड ।

मेरा हिंदुस्तानी ही, मेरा मान घटाता । कहाँ लगेगी मुझ पर बिंदी नहीं समझ में आता ।

हिंदी सुनने कहने वाले समझे जाते हैं गँवार ।
आज मेरे हिंदुस्तान पर चढ़ा अंग्रेजी का बुखार ।

माँम कहा तो लाड किया
माँ कहा तो झाड़ दिया ।
की नमस्ते डांट दिया क्यों हिंदी में प्रणाम किया ।
हिंदुस्तानी ही जब हिंदी का मान घटाएगा
क्यों गैरों से उम्मीद हो करते कोई इसको गले लगाएगा ।

यह भारत हम भारतवासी हिंदी सब को समझ में आती ।
फिर क्यों ना जनता इसको अपनाती

(श्री अशोक कुमार खाड़िया, प्र.सं.ना.संस्कृत)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

क्यूँ ना इस आज़ादी को हम, आज़ादी की तरह मनाएं,
भेदभाव को दिल से मिटा कर, भातृभाव का संदेश फैलाएं
तन की आज़ादी तो हमको, बरसों पहले मिल चुकी ,

आओ

मिलकर इस मौके पर , मन को भी आज़ाद कराएं,

क्यूँ ना इस,,,,,॥

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी, तक ये भारत एक है,
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब धर्मों के लेख हैं,
अमन शान्ति चहुँ ओर हो, मानवता का पाठ पढ़ाएं,

क्यूँ ना इस आज़ादी को ,,,॥

जिस आज़ादी को पाने खातिर, वीरों ने बलिदान किया,
लटक गए फ़ंदे को चूम कर, हिंदुस्तान को मान दिया,
उन वीरों की गर्दन से हम, रस्सी के वो निशां मिटाएं,

क्यूँ ना इस,,,,,॥

याद करो उन लम्हों को जब, हमने आज़ादी पाई थी,
हिन्दू- मुस्लिम सबने मिलकर, ईद-दीवाली मनाई थी,
आओ मिलकर फिर से हम सब, इक-दूजे के त्योहार मनाएं,

क्यूँ ना इस,,,,,॥

जंग छिड़ी जब आज़ादी की, बस लहू से लथपथ सागर था,
दुश्मन की गोली के आगे, सीना एक बराबर था (अमीर-गरीब का),

भेदभाव के इन जख्मों पर, समानता का लेप लगाएं,

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ऋषि पाल मधुबाँसी

काल का हस्ताक्षर

यह क्षितिज मात्र एक धोखा है, इसे चीर तुझे अब जाना है,
तू अंश है असीमित ऊर्जा का, तुझे अंबर नया बसाना है।
मत मान कि तेरा भाल झुका, इन चंद सवालों के आगे,
तू वह प्रकाश है जिसके सम्मुख, घोर तिमिर भी थर-थर भागे।
तेरी शिराओं में दौड़ रहा, जो रक्त नहीं, वह ज्वाला है,
ब्रह्मांड के हर अणु-परमाणु ने, तेरे भीतर घर डाला है।
ये सूत्र, गणित की उलझन सब, तेरे संयम की परीक्षा हैं,
तू तप कर बन वह महाकाव्य, जिसकी इस युग को प्रतीक्षा है।
तू वह बीज नहीं जो मिट्टी के, अंधकार में घुट जाएगा,
तू वक्ष चीर चट्टानों का, नव-पल्लव बन लहराएगा।
कदमों में तेरे वह गति हो, जो तूफानों को दिशा दिखा दे,
तेरी हुंकार वो अग्नि बने, जो हर संशय को भस्म करा दे।
यह उम्र नहीं है रुकने की, यह रणभेरी है जीवन की,
यह शंखनाद है संकल्पों का, यह आहुति है नव-यौवन की।
उठ! स्याही से नहीं, पसीने से, अब अपना भाग्य लिखा जाएगा,
तू वह हस्ताक्षर है, जिसे यह काल कभी ना मिटा पाएगा।

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

ENGLISH SECTION

EXPRESSIONS &
PERSPECTIVES

"Words have the power to illuminate the
mind and kindle the spirit."

Essays, creative perspectives, and poetic
expressions by our young learners and
faculty.



From the Editor's Desk

It is with great pleasure that I present the latest edition of our school magazine—a vibrant chronicle capturing the intellectual vitality, ethos, and dynamic spirit of Kendriya Vidyalaya, Mandi. Within these pages, we proudly showcase the academic accomplishments, artistic expressions, and diverse perspectives of our students, faculty, and esteemed alumni.

This publication encapsulates the essence of our learning community. From thought-provoking essays and inspiring milestones to evocative poetry and visual art, it mirrors the rich tapestry of thoughts and emotions cultivated within our classrooms. More importantly, these creative endeavors demonstrate a fundamental truth: while grand aspirations can often seem daunting, breaking them down into steady, actionable steps makes every goal achievable. Every poem drafted, every concept explored, and every experience shared marks the meaningful beginning of an enduring intellectual journey.

Furthermore, this edition stands as a testament to the symbiotic relationship between dedicated educators and enthusiastic learners. The guidance of our teachers, coupled with the innate curiosity and resilience of our students, continues to drive our institution toward greater academic and personal excellence. Each contribution highlights our collective commitment to critical thinking, character formation, and mutual growth.

We extend our sincere gratitude to parents, patrons, and well-wishers for their unwavering support. Nurturing well-rounded, compassionate, and visionary individuals requires a cohesive partnership, and your continued encouragement remains our greatest strength. As you peruse this issue, may you find both inspiration and pride in the accomplishments and aspirations of our young scholars.

Happy reading.

Devi Singh
PGT English
Kendriya Vidyalaya, Mandi

The Value of Discipline in Student Life

Discipline is one of the greatest virtues that every student should develop. It means following rules, respecting others, managing time wisely, and completing every task with dedication. A disciplined student attends school regularly, finishes homework on time, listens carefully in class, and respects teachers and classmates. These habits improve academic performance, build confidence, and help students become responsible individuals. Discipline also teaches self-control, honesty, punctuality, and perseverance, which are essential for success in school and later in life. Students who follow discipline can overcome distractions, manage their time effectively, and achieve their goals with determination.

Benefits of Discipline:

- Improves concentration and learning ability.
- Develops responsibility and self-confidence.
- Builds good habits and effective time management.
- Creates respect for teachers, parents, and classmates.
- Prepares students to become successful and responsible citizens.

Parents and teachers guide children towards discipline, but every student must practise it daily through simple actions such as being punctual, keeping the classroom clean, completing assignments on time, and helping others. In conclusion, discipline is the key to success because it shapes character, strengthens values, and prepares students to face life's challenges with confidence and integrity.

Mayank Kumar khadiya

Importance of Time

Time is one of the most important things in our life. We can get money back if we lost it, but we can never get time back. Every person gets same 24 hours in a day, but the difference is how we use it.

Time teaches us the value of discipline and punctuality. A student who uses his time properly can complete his studies, homework and also get some time for rest and hobbies. But if we waste time in watching videos, playing games or doing useless things, we have to face stress and problems.

Time is also important because it helps us to achieve our goals. Great people became successful because they used their time wisely and worked regularly. We should make a proper timetable and try to follow it. Sometimes we may fail to follow it, but we should try again.

Anshul -X

The Classroom of Tomorrow

Theme: Education, innovation and future learning

We turn our doubts to beams of light.

The morning bell, the eager eyes,

A teacher plants a tiny seed,

A thousand dreams begin to rise.

Of courage, wisdom, thought, and deed.

With books in hand and minds set free,

It grows through every trial we face,

And blooms in knowledge, hope, and grace.

We learn what we are meant to be.

Tomorrow waits for us to lead,

Beyond the walls, beyond the page,

With thoughtful hearts and noble deeds.

We write our story, shape our age.

For every child who dares to know,

With science, art, and questions bright,

Can make the world a better place to grow

AARADHAYA-VI

Beyond the Screen

A thousand faces on a screen,
A world of pictures, bright and clean.

Yet in the silence of the night,
A lonely heart may miss real light.
We scroll through lives that seem so grand,
While missing friends who close at hand.

A message sent, a moment gone,
The world keeps moving, screen still on.

Technology can help us grow,
And open doors to all we know.
But no machine can truly replace,
A caring voice, a warm embrace.
So lift your eyes, step out, explore,
Let real-life moments mean much more.

Use every screen, but don't forget,
The finest things aren't digital yet.

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

The Courage to Begin

The tallest mountains touch the sky,
Yet start where little footsteps lie.
The strongest rivers find their way,
Through stones that block their path each day.
A mark, a loss, a dream delayed,
Cannot undo the strength we've made.
For every fall can teach us how,
To stand more firmly here and now.
Don't fear the road you cannot see,
The future grows from bravery.
Take one small step, then one step more,
And find the strength you had before.
Success is not a race to win,
But faith renewed when we begin.
For those who rise when hope seems small,
Discover they are strong through all.

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

YASHVI

From Play to Pixels

Once, hearts were warm and skies were wide,
We walked with nature by our side.
A little was enough to make us smile,
And happiness stayed for a while.

Now screens glow brighter than human eyes,
We chase our dreams beneath crowded skies.
We have more things yet less to share.
More people around yet less who care.

Once, children ran beneath the sun,
With dusty feet and endless fun.
Now, childhood hides behind the screen,
Lost somewhere between what was and what's seen.

We built tall towers that touch the sky,
But forgot to ask the earth why.
We reached the moon with hubris pride,
Yet left our own planet wounded inside.

We once knew neighbors by their names,
Shared stories, laughter and a little game.
Now doors stay closed and days rush by,
We pass each other without a "Hi".

Maybe the world needs less to gain,
And more kind hearts to heal its pain.
For progress means nothing, if we
lose our way.

The world needs its humanity back,
today.



A Nation in Young Hands

From snowy peaks to fields of gold,

Our land has stories proudly told.

Of sacrifice and dreams set free,

Of strength, of faith, of unity.

Many languages, one heart,

Many traditions, one work of art.

Different paths, yet side by side,

We walk with hope, with honour, pride.

Let honesty become our guide,

Let kindness stand by every side.

Let knowledge shape the work we do,

And keep our promises honest and true.

The nation's future starts today,

In every choice we make each day.

With minds that think and hands that serve,

Let's build the India we deserve.

Climate Change and Sustainable Living — Our Planet, Our Responsibility



Our planet is facing one of the greatest challenges of our time: climate change. Rising temperatures, changing rainfall patterns, extreme weather events, and pressure on natural resources remind us that environmental protection can no longer be postponed.

In India, the effects of climate-related changes are especially important for communities that depend on agriculture, forests, rivers, and mountain ecosystems. The Himalayan region, including Himachal Pradesh, is particularly significant because its glaciers, forests, and rivers support biodiversity and human livelihoods. Protecting these fragile ecosystems is essential for present and future generations.

Climate change is influenced largely by the accumulation of greenhouse gases in the atmosphere, particularly from the burning of fossil fuels and other human activities. Deforestation, unsustainable consumption, and excessive waste further increase environmental pressure.

Although governments and industries have major responsibilities, individual choices also matter. Saving electricity, conserving water, planting native trees, avoiding single-use plastics, segregating waste, and choosing reusable products are practical steps that everyone can take. Schools can contribute by organising eco-clubs, conducting cleanliness drives, maintaining green campuses, and educating students about biodiversity and sustainable development.

Nevertheless, environmental protection requires more than occasional activities. Sustainable habits must become part of our daily lives. We must also recognise that protecting nature involves responsible planning, clean energy, scientific research, and cooperation among communities and nations.

The environment is not merely a subject in our textbooks; it is the foundation of our existence. Every river protected, every tree nurtured, and every resource conserved contributes to a healthier future.

The question is no longer whether we should protect our planet, but whether we are willing to act before the damage becomes irreversible.

Let us remember: we have not inherited the Earth only for ourselves; we hold it in trust for generations yet to come.

DEVI SINGH
PGT- ENGLISH

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

संस्कृत विभाग

SANSKRIT SECTION

"भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।"

अमरवाणी संस्कृत के सुभाषित, श्लोक एवं विद्या की महिमा
का पावन संकलन।

सुभाषितानि

1. क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत्।

क्षणं नष्टे कुतो विद्या कणे नष्टे कुतो धनम्॥

अर्थात् - मनुष्य को चाहिए कि एक क्षण भी व्यर्थ न करते हुए ज्ञान प्राप्त करें और एक-एक कण को बचाकर धन संग्रह करें। क्षण को खोने वाले के लिए ज्ञान कहाँ और कण को क्षुद्र समझने वाले के लिए धन कहाँ ?

2. "काक चेष्टा, बको ध्यानम्,

श्वान निद्रा तथैव च।

स्वल्पाहारी, गृहत्यागी,

विद्यार्थीनः पञ्च लक्षणम् ॥ "

अर्थ: सफलता प्राप्त होने तक कौवे की तरह निरंतर प्रयास, सारस पक्षी की तरह एकाग्रता रखना, (श्वान) कुत्ते की तरह नींद लेना , कम खाना, और ज्ञान प्राप्त करने के लिए घर त्याग करने के लिए तैयार रहना । ये विद्यार्थी के पांच गुण हैं।

3. " न चोरहार्यम् न च राजहार्यम्,

न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।

तत् त्वं कृते वर्धत एव नित्यं,

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ॥ "

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अर्थ: इसे न तो चोर चुरा सकते हैं और न ही राजा इसे छीन सकते हैं। इसे भाइयों में नहीं बांटा जा सकता है, इसका कोई वजन नहीं है। यदि नियमित रूप से खर्च किया जाता है, तो यह हमेशा बढ़ता रहता है । ज्ञान का धन सबसे श्रेष्ठ धन है।

पारूल

कक्षा: 8

सुभाषित-गीतम् - "विद्यायाः महिमा"

1 . विद्या ददाति विनयं,
विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति,
धनाद् धर्मं ततः सुखम् ॥

भावार्थः विद्या विनय देती है, विनय से पात्रता (योग्यता) आती है। योग्यता से धन प्राप्त होता है, धन से धर्म होता है और धर्म से सुख मिलता है।

2. अपूर्वः कोऽपि कोषोऽयं,
विद्यते तव भारति।
व्ययतो वृद्धिमायाति,
क्षयमायाति संचयात् ॥

भावार्थः हे सरस्वती! आपका यह विद्या रूपी खजाना अनोखा है। यह खर्च करने से बढ़ता है और इकट्ठा करने (न खर्च करने) से कम हो जाता है।

3 . उद्यमेन ही सिध्यन्ति,
कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य,
प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

भावार्थः मेहनत करने से ही काम पूरे होते हैं, केवल सोचने से नहीं। जैसे सोए हुए शेर के मुँह में हिरण खुद नहीं आता।

4. आलस्यं हि मनुष्याणां,
शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः,
कृत्वा यं नावसीदति ॥

भावार्थः आलस्य मनुष्य के शरीर में रहने वाला सबसे बड़ा शत्रु है। परिश्रम के समान कोई मित्र नहीं है, क्योंकि परिश्रम करने वाला व्यक्ति निराश नहीं होता।

आराध्या ठाकुर
कक्षा 7

प्रातः स्मरणीय श्लोकाः

श्लोक:-1

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।
करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम्॥

अर्थ: हाथों के अग्रभाग में माता लक्ष्मी, मध्य भाग में माता सरस्वती और हाथों के मूल में भगवान गोविन्द का निवास माना गया है। इसलिए प्रातःकाल अपने हाथों के दर्शन करने चाहिए।

श्लोक:-2

समुद्रवसने देवि पर्वतस्तनमण्डले।
विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं पादस्पर्श क्षमस्व मे॥

अर्थ: हे समुद्र रूपी वस्त्र धारण करने वाली, पर्वतों के समान वक्षस्थल वाली और भगवान विष्णु की पत्नी (पृथ्वी देवी), आपको मेरा नमस्कार है। मैं अपने पैरों से आपका स्पर्श कर रहा हूँ, इसके लिए कृपया मुझे क्षमा करें।

श्लोक:-3

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥

अर्थ: गुरु ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान हैं। गुरु ही साक्षात् परम ब्रह्म हैं। ऐसे पूजनीय गुरु को मेरा नमस्कार है।

श्लोक:-4

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटिसमप्रभा।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

अर्थ: हे वक्र सूँड वाले, विशाल शरीर वाले तथा करोड़ों सूर्यों के समान तेजस्वी भगवान गणेश! मेरे सभी कार्यों को सदा विघ्नरहित बनाइए।

श्लोक:-5

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्॥

अर्थ: सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त रहें, सभी शुभ देखें और कोई भी दुःख का भागी न बने।

काव्यांश

कक्षा 8

विद्या से संबंधित सरल संस्कृत श्लोक हिन्दी अर्थ सहित

श्लोक:-1

विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति, धनाद् धर्मं ततः सुखम्॥

अर्थ: विद्या से विनम्रता आती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है। योग्यता से धन मिलता है, धन से धर्म के कार्य होते हैं और अंत में सुख की प्राप्ति होती है।

श्लोक: -2

न चोरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्॥

अर्थ: विद्यारूपी धन को न चोर चुरा सकता है, न राजा छीन सकता है। इसे भाइयों में बाँटना नहीं पड़ता और यह बोझ भी नहीं बनता। खर्च करने पर यह बढ़ता ही जाता है। इसलिए विद्यारूपी धन सभी धनों में श्रेष्ठ है।

श्लोक: -3

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्।
विद्या भोगकरी यशःसुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः॥

अर्थ: विद्या मनुष्य का सबसे श्रेष्ठ रूप है और छिपा हुआ धन है। विद्या सुख और यश प्रदान करती है तथा स्वयं महान गुरुओं की भी गुरु है।

श्लोक:-4

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥

अर्थ: आलस्य मनुष्य के शरीर में रहने वाला सबसे बड़ा शत्रु है। परिश्रम के समान कोई मित्र नहीं है, क्योंकि परिश्रम करने वाला व्यक्ति निराश नहीं होता।

संस्कृतभाषायां प्रहेलिकाः (पहेलियाँ)

1. प्रहेलिका

हरितवर्णः अहं वृक्षे वसामि।
पक्वे सति पीतवर्णः भवामि।
मधुरः मम रसः अस्ति। कः अहम्?

2. प्रहेलिका

दिवा प्रकाशं ददामि।
रात्रौ न दृश्ये अहम्।
सर्वे मां नमन्ति। कः अहम्?

3. प्रहेलिका

चत्वारः पादाः सन्ति मम।
किन्तु अहं चलितुं न शक्नोमि।
जनाः मम उपरि उपविशन्ति।
कः अहम्?

4. प्रहेलिका

कृष्णवर्णः अहम्।
रात्रौ आकाशे दृश्ये।
मम प्रकाशः शीतलः अस्ति।
का अहम्?

5. प्रहेलिका

जले जन्म मम भवति।
जले एव वसामि।
जलं विना जीवितुं न शक्नोमि।
कः अहम्?

6. प्रहेलिका

तत् त्वं कः अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अहं गच्छामि, किन्तु पादौ न स्तः।
अहं गर्जामि, किन्तु मुखं नास्ति।
आकाशे मम निवासः।
कः अहम्?

7. प्रहेलिका

दन्ताः मम बहवः सन्ति।
किन्तु अहं खादितुं न शक्नोमि।
केशान् व्यवस्थितान् करोमि।
कः अहम्?

8. प्रहेलिका

अहं विना मुखेन वदामि।
विना कर्णाभ्यां शृणोमि।
दूरस्थैः जनैः सह वार्तां करोमि।
किम् अहम्?

9. प्रहेलिका

अहं जलं पिबामि।
अग्नौ तपामि।
सर्वे मम उपयोगं कुर्वन्ति।
किम् अहम्?

उत्तरम् – 1. आम्ब्रम्, 2. सूर्यः, 3. आसन्दः, 4. चन्द्रिका, 5. मत्स्यः, 6. मेघः, 7. कङ्कतम्, 8. दूरभाषः।

9. घटः।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

मयंक कुमार खाडिया

कक्षा ग्यारहवीं (विज्ञान वर्ग)

कथा – बुद्धिमानः काकः

एकस्मिन् वने एकः काकः निवसति स्म। एकदा सः अतीव पिपासितः अभवत्। सः जलं सर्वत्र अन्वेषितवान्, किन्तु जलं न प्राप्तवान्।

अन्ते सः एकं घटं अपश्यत्। घटे अल्पं जलम् आसीत्। काकः जलं पातुम् इच्छति स्म, परन्तु तस्य चञ्चुः जलं प्राप्तुं न अशक्नोत्।

ततः सः एकम् उपायम् अचिन्तयत्। सः लघून् लघून् पाषाणखण्डान् आनीय घटे अक्षिपत्। शनैः शनैः जलम् उपरि आगच्छत्। काकः जलं पीत्वा प्रसन्नः अभवत्।

शिक्षा – बुद्धिः एव बलम्।

जीविका

कक्षा 8

कथा - परिश्रमी बालकः

एकस्मिन् ग्रामे रामः नाम बालकः वसति स्म। सः अतीव परिश्रमी आसीत्। सः प्रतिदिनं प्रातःकाले उत्तिष्ठति स्म। ततः सः विद्यालयं गच्छति स्म। रामः मनोयोगेन अध्ययनं करोति स्म तथा गुरुणाम् आज्ञां पालयति स्म।

एकदा तस्य विद्यालये परीक्षायाः आयोजनम् अभवत्। रामः परिश्रमेण अध्ययनं कृत्वा परीक्षायाम् उत्तमान् अङ्कान् प्राप्तवान्। तस्य शिक्षकाः अतीव प्रसन्नाः अभवन्। रामः अपि स्वस्य सफलतया प्रसन्नः अभवत्।

शिक्षा – परिश्रमः सफलतायाः मूलम् अस्ति।

आराध्या बोझाठो

कक्षा 8

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

सुभाषितानि

श्लोक: -1

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

अर्थ: कार्य केवल इच्छा करने से नहीं, बल्कि परिश्रम करने से सफल होते हैं। सोए हुए सिंह के मुख में मृग स्वयं प्रवेश नहीं करते।

श्लोक:-2

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोर्विपरीतमेतत् ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय॥

अर्थ: दुष्ट व्यक्ति की विद्या विवाद करने, धन अहंकार करने और शक्ति दूसरों को कष्ट देने के काम आती है। इसके विपरीत, सज्जन व्यक्ति अपनी विद्या का उपयोग ज्ञान देने, धन का उपयोग दान करने और शक्ति का उपयोग दूसरों की रक्षा करने में करता है।

श्लोक: -3

श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिम् अचिरेणाधिगच्छति॥

अर्थ: श्रद्धा रखने वाला, ज्ञान प्राप्त करने में तत्पर और इन्द्रियों को वश में रखने वाला व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करता है। ज्ञान प्राप्त करके वह शीघ्र ही परम शान्ति को प्राप्त करता है।

श्लोक :4

हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत् त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये॥

भावार्थ - हे पूषन् (सूर्यदेव)! सत्य का मुख स्वर्णमय पात्र से ढका हुआ है। आप उस आवरण को हटा दें, ताकि सत्यधर्म का पालन करने वाला मैं उस परम सत्य का दर्शन कर सकूँ।

वीर

कक्षा 8



SCHOOL RESULTS परीक्षा परिणाम

KENDRIYA VIDYALAYA MANDI



कर्म ही पूजा है | ज्ञान ही शक्ति है



KENDRIYA VIDYALAYA MANDI SESSION-2025-26



Excellence
in Every Step

CLASS-WISE TOPPERS LIST

CLASS-WISE TOPPERS LIST

CLASS	POSITION	NAME OF STUDENT	FATHER'S NAME	MARKS OBTAINED	%AGE
IX	1st	Arjika Sharma	Rakesh Kumar Sharma	$\frac{484}{500}$	96.86%
	2nd	Ansul Sharma	Besar Ram	$\frac{483}{500}$	96.5%
	3rd	Yashu	Krishan Kumar	$\frac{477}{500}$	95.14%

CLASS-WISE TOPPERS LIST

CLASS	POSITION	NAME OF STUDENT	FATHER'S NAME	MARKS OBTAINED	%AGE
XI SCI.	1st	Harshita	Waryam Singh	440/500	88%
	2nd	Tanisha Kumari	Tumeshwar Singh	424/500	84.80%
	3rd	Tushar Thakur	Narinder Kumar	418/500	83.6%



Well Done!

CLASS-WISE TOPPERS LIST

CLASS	POSITION	NAME OF STUDENT	FATHER'S NAME	MARKS OBTAINED	%AGE
XI COM.	1st	Isha Sharma	Chaman Lal	407	81.40
	2nd	Pallavi	Ravinder Kr.	398	79.60
	3rd	Siddharth Verma	Sandeep	388	77.60

Work Hard ★ Dream Big ★ Achieve More



K V KHALIAR JAWAHAR NAGAR, MANDI (HP)

School Code 44824

CONGRATULATIONS TO OUR TOPPERS!
CBSE EXAMINATION 2026 TOPPERS

CBSE SECONDARY SCHOOL EXAMINATION 2026

CLASS X

1st

Roll No:
17159114

MANIT BHATIA

MARKS:
486/500

97.20%

2nd

Roll No:
17159087

AAYUSHI SHARMA

MARKS:
468/500

93.60%

3rd

Roll No:
17159115

MAYANK KUMAR KHADIYA

MARKS:
465/500

93.00%

CBSE SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION 2026

CLASS XII SCIENCE

1st

Roll No:
17652306

SUPRIYA THAKUR

MARKS:
467/500

93.40%

2nd

Roll No:
17652318

SWARIT YADAV

MARKS:
448/500

89.60%

3rd

Roll No:
17652308

YASHVI

MARKS:
437/500

87.40%

CBSE SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION 2026

CLASS XII COMMERCE

1st

Roll No:
17652309

AARUSHI

MARKS:
455/500

91.00%

2nd

Roll No:
17652310

HIMANI SHARMA

MARKS:
436/500

87.20%

3rd

Roll No:
17652316

SHABNAM*

MARKS:
432/500

86.40%

STUDENT ACHIEVERS

Kendriya Vidyalaya Mandi

Photo	Title	Class	Session	Achievement Remarks
	NEET-2026	XII Science 	Session 2023 - 2025	Ms. Akanksha Sharma, an alumna of Kendriya Vidyalaya Mandi, has brought laurels to the Vidyalaya by achieving an impressive performance in NEET (UG) 2026. She secured 515 marks, resulting in her selection for the MBBS programme at Shri Lal Bahadur Shastri Government Medical College & Hospital, Mandi at Ner Chowk, Himachal Pradesh.
	CBSE Result 2025	XII Commerce 	2025 - 2026 	Aarushi of Class XII (Commerce) secured 90.40% marks and topped the Vidyalaya. 28/08/2026
	CBSE Result 2025	XII Science 	2025 - 2026 	Supriya Thakur of Class XII (Science) secured 94.0% marks in CBSE 2025 Examination and topped the Vidyalaya.
	CBSE Results 2025	X 	2025 - 2026 	Manit Bhatia of Class X achieved the top position in the Vidyalaya by securing an outstanding 96.20%.
	Sports Achievement 2025	IX 	2025 - 2026 	Samridhi Thakur of Class IX has brought great pride to the Vidyalaya by winning the Gold Medal in Table Tennis (Under-17) at the KVS Regional Sports Meet and earning selection for the KVS National Sports Meet.



केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KVS

KVS Mandi

Our Young Achievers

Small Steps + Big Dreams + Bright Future



Photo	Title	Class	Session Start	Session End	Achievement Remarks
	Sports Achievement 2025	X	2025	2026	Tanisha of Class X brought laurels to the Vidyalaya by winning the Bronze Medal in Chess (Under-17) at the KVS Regional Sports Meet and earning selection for the KVS National Sports Meet.
	KVS Regional Rajya Stariya Bal Vigyan Pradarshani (RSBVP)	XI Science	2025	2026	In the KVS Regional Rajya Stariya Bal Vigyan Pradarshani, Swarnjyoti Singh Thakur, a student of Class XI Science, secured 1st position under the theme "Water Conservation and Management" for her "Disasters and water conservation using Doppler Effect Management" model.
	KVS Regional Rajya Stariya Bal Vigyan Pradarshani (RSBVP)	XI Science	2025	2026	In the Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Rajya Stariya Bal Vigyan Pradarshani, Miss Subhshani, a student of Class XI (Science), secured 1st position under the theme "Green Energy" for her model titled "Damsless Hydro Power Plant."
	Regional Rajya Stariya Bal Vigyan Pradarshani(RSBVP)	VIII	2025	2026	In the Regional Rajya Stariya Bal Vigyan Pradarshani, Master Kavyansh Thakur, a student of Class VIII, secured 3rd position under the topic "Waste Management – Alternative to Plastic" for his "Smart Dustbin" model.

KVS Mandi

Inspiring Minds + Shaping Tomorrow

केन्द्रीय विद्यालय मण्डी

वार्षिक गतिविधियों की झलकियाँ

स्कूल में की जाने वाली गतिविधियाँ

CO-CURRICULAR &
CULTURAL
CHRONICLES

"खेलकूद, योग, विज्ञान, स्काउट-गाइड और सांस्कृतिक
महोत्सव — समग्र विकास का जीवंत पथ।"



INVESTITURE CEREMONY







हिंदी माह का शुभारंभ

हिंदी के प्रति सम्मान और गौरव के साथ



हिंदी दिवस





राजभाषा पुस्तक प्रदर्शनी

कविता वाचन

हिंदी संवाद एवं अभिव्यक्ति





Poshan Maah – Celebrating Healthy Living



Kendriya Vidyalaya Mandi
Vigyan Jyoti Programme |
Educational Visit to
Science Centre, Palampur



$$E=mc^2$$



Education Trip





Medical Health Camp

Check-up for students from Classes I–XII





AWARENESS ABOUT RESPONSIBLE E-WASTE MANAGEMENT



E-WASTE MANAGEMENT







KENDRIYA VIDYALAYA

MANDI

HIMACHAL PRADESH

YOGA DAY CELEBRATION

21 June

SESSION 2026-27

YOGA FOR ONE EARTH, ONE HEALTH



STAY FIT
STAY HEALTHY

YOGA FOR
HARMONY

STRONG MIND
PEACEFUL SOUL

YOGA IS THE
JOURNEY OF THE SELF

BE WITH YOGA, BE AT HOME ★ YOGA IS THE KEY TO HOLISTIC HEALTH ★ LET'S MAKE YOGA A WAY OF LIFE



International Yoga Day Celebration

Kendriya Vidyalaya Mandi



प्रतिदिन करें योग, सदा रहें निरोग...

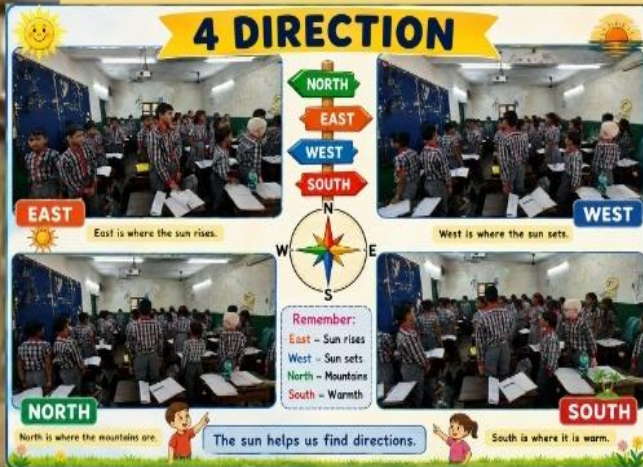


Yoga for Wellbeing • Yoga Day 2026

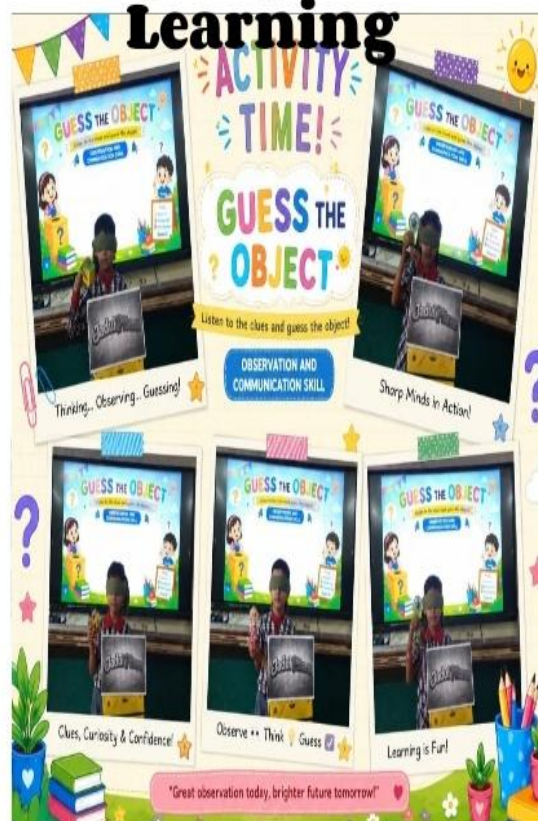
CLASSROOM FLN ACTIVITIES



LEARNING BY DOING



Playway based Learning



A child is like a butterfly in the wind
Some can fly higher than others;
But each one flies the best it can
Why compare one against the other
Each one is special -
Each one is beautiful



संगीत क्रियाकलाप



CUB AND BULBUL ACTIVITIES



SOME CLA GLIMPSES.....

CLA MASK MAKING ACTIVITY



Physical Education



"Every child is a winner when they try their best"

It doesn't matter
what others are doing,
it matters what you
are doing.



The card features a delicate floral border in shades of orange, red, and green, with various flower types like poppies and roses. The background is a light cream color with subtle watercolor splatters. The text is centered and reads:

THANK YOU FOR BEING A
PART OF OUR JOURNEY
THROUGH THESE PAGES.
UNTIL WE MEET AGAIN
NEXT YEAR, *Keep
Learning, keep
dreaming!*